OM-8- 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 28/06/2021 11:25 AM Page 9

धन कमाने के साथ और...

एक ध्यान रखने से धन्य बन जायेंगे

धन, शरीर निर्वाह अर्थ एक महत्त्वपूर्ण साधन है इसीलिए आज मनुष्य दिन-रात भाग-भागकर धन कमाता है। उस धन के द्वारा स्वयं तथा परिवार के लिए खुशी और सुख-शांति की चाहना रखता है, लेकिन धन कमाने की भाग-दौड़ में अनेक आत्माओं से जाने-अनजाने ईर्ष्या, घृणा और बेईमानी का हिसाब बना लेता है इसीलिए सम्मान, प्यार और विश्वास खो देता है।

धन कमाना गलत नहीं है लेकिन इसके साथ-साथ सच्चे स्नेह की पूंजी इकट्ठी करनी भी ज़रूरी है। बिना स्नेह के आज वह नफरत, शक तथा अकेलेपन की अग्नि में जल रहा है। हम देखते हैं कि जितनी भी मशीनें काम में ली जाती हैं उन्हें सहज बनाने के लिए लुब्रिकेंट(चिकनाई) आदि इस्तेमाल किए जाते हैं। ऐसे ही सच्चे रूहानी स्नेह से रिश्तों रूपी मशीन जिसमें जंग लग गई है, बहुत सरलता से चल पाएगी।

कुछ वर्षों पहले तक गांव में जब किसी के घर में कोई विशेष कार्य होता था तो सभी रिश्तेदार और आसपास के लोग बड़े प्यार से सहयोगी बनते थे जिससे बिना अधिक खर्च किए कार्य सुंदर रीति से सम्पन्न हो जाता था। आज बहुत धन लूटा कर भी न तो वैसी खुशी, आनंद और सफलता प्राप्त होती है, न कार्य ही श्रेष्ठता से सम्पन्न हो पाते क्योंकि दिलों में दूरियां बढ़ गई हैं।

स्नेह, मेहनत को समाप्त कर देता है। जैसे माँ, बच्चे के लिए इतनी मेहनत करती है लेकिन स्नेह होने के कारण वह मेहनत महसूस नहीं करती। जीवन में रिश्तों की भूमिका अहम होती है तथा रिश्ते बनते हैं त्याग से। जहाँ स्नेह होता है तो वहाँ त्याग स्वतः हो जाता है। सबसे सच्चा स्नेह ईश्वर का, जिसे प्राप्त करके मनुष्य सब कुछ प्राप्त कर लेता है। शिव बाबा कहते हैं बच्चे बीज को पानी दोगे तो सारे वृक्ष को मिल जाएगा। परमात्मा पिता हैं इस मनुष्य सृष्टि के बीज, उनसे प्रीत लगा कर हम सब प्राप्तियों के हकदार बन सकते हैं।

"मन में किसी के प्रति घृणा को स्नेह में बदला जा सकता है"

घृणा, किसी आत्मा की किसी न किसी कमज़ोरी से बार-बार प्रभावित होने पर आपके मन में उमड़े निगेटिव थॉट के भाव हैं। अब उसी आत्मा के प्रति अच्छे संकल्प जनरेट करने हैं।

मेरे अनुभव में उस आत्मा को बार-बार दुआएं देना, उसके प्रति अपने भावों को बदलने का एक बहुत ही अच्छा तरीका है। उसके लिए दुआ करो कि 'हे! ईश्वर यह भी आपका ही बच्चा है, यह एक पवित्र आत्मा है, इसके मूल संस्कार भी पवित्र ही हैं, यह छोटी-मोटी भूल तो कुछ पल के लिए है, यह वास्तव में बहुत श्रेष्ठ आत्मा है, इसका सदा भला हो, इसका कल्याण हो, इसके जीवन में सुख-शान्ति हो, यह मानव जाति का कल्याण करने के निमित्त आत्मा है, ईश्वर का नाम रौशन करने वाले कर्म करती है, आदि-आदि!

जैसे ही वह आत्मा दिखे या याद आए तो ऐसे कई शुद्ध संकल्पों का सृजन करना शुरू कर दीजिए। तब तक जब तक कि आपका सबकॉन्शियस माइंड उस आत्मा के प्रति रिप्रोग्राम न हो जाए अर्थात् तब तक आपके मन में उस आत्मा के लिए सहज शुभ भाव न पनप जाए तब तक आपको उसको शुद्ध वायब्रेशन भेजते ही जाना है, तभी घृणा स्नेह में परिवर्तित होगी।

! यह जीवन है !

ज़िंदगी एक खेल है और चुनौतियां इस खेल का हिस्सा हैं, जो इसको और रोमांचक बनाती हैं। लेकिन कुछ लोग इस खेल को समझ नहीं पाते और वे मुसीबतों व चुनौतियों को अपना दुश्मन मान बैठते हैं।

जबकि हर मुसीबत अपने साथ एक शानदार उपहार लेकर आती है। एक ऐसा उपहार जो आपको हर बार यह विश्वास दिलाता है कि आप कुछ भी कर सकते हैं, आपके लिए नामुमकिन कुछ भी नहीं है। यह उपहार व्यक्ति तभी प्राप्त कर पाता है जब वह धैर्य और साहस के साथ उस मुसीबत का सामना कर लेता है। जो चुनौतियों और मुसीबतों से घबरा जाते हैं, वे इससे कभी भी आगे नहीं बढ़ पतो। अतः हमें कभी भी मुसीबतों में घबराने की बजाय सर्वशक्तिवान परमात्मा को साथी बनाकर सदा आगे बढ़ना है।

गांधीधाम-कच्छ(गुज.)। इंटरनेशनल योगा डे पर भारत नगर सेवाकेन्द्र पर सभी भाई-बहनों को योगाभ्यास कराते हुए योगा टीचर हिना पटेल और राजेश पटेल। साथ हैं ब्र.कु. सरिता बहन।

रोहतक-हरियाणा। इंटरनेशनल योगा डे पर आयोजित कार्यक्रम में विश्व योग संस्थान की ओर से आमंत्रित बहनों ने सभी को योगाभ्यास कराया। उसके पश्चात चित्र में हैं ब्र.कु. रक्षा दीदी तथा सभी भाई-बहनें।

भीनमाल-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित वेबिनार में जुड़े स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. गीता, किड्स प्लेनेट डायरेक्टर डॉ. प्रेरणा राज शर्मा,जयपुर, महिला विंग कोऑर्डिनेटर डॉ. सविता दीदी,माउण्ट आबू, योगा टीचर माया चौधरी,अहमदाबाद, कवयित्री प्रतिभा शर्मा, बैडमिंटन कोच पलकन दवे,मुम्बई, हर्षा लापसिया तथा राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. रानी दीदी,सूरतगढ़।

आगरा-सिकंदरा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भाई-बहनों को योगाभ्यास कराते हुए ब्र.कु. सरिता बहन, पार्षद सुष्मा जैन तथा तन्नू बहन।

भाद्रा-राज.। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए ब्र.कु. चन्द्रकांता, विवेकानंद स्वास्थ्य सेवा समिति के वाइस प्रेसिडेंट जगदीश गर्ग तथा बिजली बोर्ड के एक्सईएन दीवान सिंह।